SEM- V

MAJOR COURSE - MJ - 9

संस्कृत नीतिसाहित्य एवं समास प्रकरण–

Marks: 25(5 Attd + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE:- 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40 C- 04

नीतिसाहित्य एवं समास प्रकरण

ईकाई 1 • नीतिसाहित्य का उद्भव एवं विकास

- नीतिशतकम् (1 से 25 श्लोक)
- हितोपदेश (मित्रलाम)
- पंचतन्त्र (अपरीक्षित कारकम्)
- समास प्रकरण– अव्ययीभाव तत्पुरूष, बहुब्रीहि एवं द्वन्द्व (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

अनुशंसित पुस्तके–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास– बलदेव उपाध्याय
2) नीतिशतकम् गोस्वामी, प्रहलाद गिरि, भारतीय प्रकाशन वाराणसी।
3) हितोपदेश– विश्वनाथ शर्मा
4) पञ्चतन्त्र– श्याम चरण पाण्डेय
5) लघुसिद्धान्त कौमुदी– श्रीधरानन्द शास्त्री

प्रश्न चयन संबंधी दिशा निर्देशं–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या रिक्त स्थान पूर्ती संबंधित 15 प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15=15

द्वितीय प्रश्न में ईकाई 1 के पाठयांश से एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या और एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या करनी होगी। कुल चार श्लोक पूछे जायेंगे। 2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में समास के दो सूत्रों की सदोधरण व्याख्या करनी होगी जिसमें चार सूत्र पूछे जाएंगे। 10x2=20

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित एक आलोचनात्मक प्रश्न अपेक्षित होंगे। कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। 1x20 =20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन– 20+5 = 25 अंक

SEM- V

MAJOR COURSE - M.J - 10

संस्कृत गद्यसाहित्यं एवं अनुवाद

Marks : 25 (5Attd + 20SIE :- 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C- 04

गद्य साहित्य एवं व्याकरण

ईकाई– 1 गद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

ईकाई– 2 • कादम्बरी (शुकनासोपदेश)

• दशकुमार चरितम् (अष्टम उच्छवास)

• शिवराज विजयम् (प्रथम निः श्वास)

ईकाई– 3 • शब्दरूप– अस्मद्, युष्मद, किम्, तत्।

• धातुरूप – अद्, दिव, सेव, लम्।

अनुशंसित पुस्तकें–

1) कादम्बरी (शुकनासोपदेश)– देवेन्द्रभिश्र, रामनारायण वेणी प्रसाद, इलाहाबाद।
2) कादम्बरी (शुकनासोपदेश)– आचार्य रामनाथ शर्मा, सुमन साहित्य भण्डार, मेरठ।
3) शिवराजविजय– डॉ0 रमाशंकर मिश्र, चौखम्बा, सुरभारती, वाराणसी
4) दशकुमार चरित – विश्वनाथ झा
5) संस्कृत साहित्य का इतिहास – बलदेव उपाध्याय।
6) अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधर नौटियाल
7) रचनानुवादकौमुदी– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ (बहुवैकल्पिक) रिक्त स्थानों की पूर्ती से संबंधित) 15 प्रश्न पूछे जाएंगे। 15x1 = 15

द्वितीय प्रश्न में ईकाई 2 से दो अंशो की व्यवस्था एक संस्कृत में तथा एक हिन्दी में करने होंगे। कुल चार अंश पूछे जाएंगे। 10x2 =20

तृतीय प्रश्न में ईकाई 2 से दो विभक्तियों में शब्द रूप और 2 धातु रूप करने अपेक्षित होंगे जिनमें कुल 4 शब्द रूप और 4 धातुरूप पूछे जाएंगे। 5x4=20

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से 1 आलोचनात्मक प्रश्न करने होंगे कुल तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। 1x20 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूलयांकन– 20 + 05 = 25 अंक

SEMESTER V

MAJOR COURSE - MJ- 11

संस्कृत नाट्यसाहित्य एवं व्याकरण

Marks : 25 (5Attd + 20 SIE : 1 Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks th (SIE + ESE) = 40

C- 04

नाट्य साहित्य, कारक प्रकरण एवं कृत्य प्रक्रिया

ईकाई 1 • नाट्य साहित्य का उदभव एवं वकास

ईकाई 2 • अभिज्ञानशाकुन्तलम् (चतुर्थ अंक)

• उत्तररामचरितम् (तृतीय अंक)

• स्वप्नवासवदत्तम् (षष्ठ अंक)

ईकाई 3 • कारक प्रकरण (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

• कृत्य प्रक्रिया (लघु सिद्धान्त कौमुदी के अनुसार)

अनुशंसित पुस्तकें–

1) अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ0 सुरेन्द्र शास्त्री, रामनारायण लालबेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
2) अभिज्ञानशाकुन्तलम्– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी, रामनारायण लालबेनी प्रसाद, इलाहाबाद।
3) संस्कृत साहित्य का इतिहास, आचार्य बलदेव उपाध्याय
4) लघु सिद्धांत कौमुदी– श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, वराणसी।
5) उत्तररामचरितम्– कपिल देव द्विवेदी।
6) स्वप्नवासवदत्तम्– आचार्य शेषराज शर्मा 'रेग्मी'।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

सभी प्रश्नों के उत्तर दें–

प्रथम प्रश्न संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या बहुवैकल्पिक रिक्त स्थानों की पुर्ति संबंधित 15 प्रश्न पूछे जायेगे। 1x15 =15

द्वितीय प्रश्न में ईकाई 2 के पाठयांश से एक श्लोक की संस्कृत व्याख्या तथा एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद करना है चार श्लोक पूछे जाएंगे। 2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में ईकाई 3 से दो कारक सूत्र और दो कृत्य प्रक्रिया सूत्रों की व्याख्या करना अपेक्षित होगा कुल दो + दो = 4 सूत्र पूछे जाएंगे।

चौथे प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम से एक आलोचनात्मक प्रश्न अपेक्षित होंगे कुल 3 प्रश्न पूछे जाएंगे।

खण्ड ख

आन्तरिक मूल्यांकन 20 + 05 = 25 अंक

SEMESTER VI

MAJOR COURSE - MJ- 12

संस्कृत भाषा विज्ञान

Marks : 25 (5 + Attd + 20 SIE 1Hr) + 75 (ESE 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (CIE + ESE) = 40

C- 04

भाषा – विज्ञान

इकाई 1 • भाषा की परिभाषा

- भाषा के तीन पक्ष – व्यक्तिगत, सामाजिक एवं सामान्य
- भाषा विकास सोपान– आङ्गिक भाषा, वाचिकभाषा, यांत्रिक भाषा।
- भाषा की विशेषताएं
- भाषा की परिवर्तनशीलता और परिवर्तन के कारण भाषाओं का वर्गीकरण– आकृमूलक एवं पारिवारिक भाषाविज्ञान का ज्ञान की अन्य भाषाओं से संबंध
- भारत में भाषा वैज्ञानिक अध्ययन की प्राचीनता

इकाई 2 • भारोपीय भाषाओं के साथ संस्कृत की अन्त संबंध

- संस्कृत ध्वनियों का ध्वन्यात्मक विश्लेषण
- संस्कृत ध्वनियों की विशेषताएं समीकरण, घोषीकरण, अघोषीकरण
- अनुनासिककरण, अल्पप्राणीकरण व्यजनीकरण विसर्ग, द्वित्वीकरण।
- संस्कृत पदरचना
- संस्कृत वाक्य रचना

अनुशंसित पुस्तकें

I. तुलनात्मक भाषाविज्ञान– पी.डी.गुणे, मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली
II. संस्कृत का भाषा शास्त्रीय अध्ययन– भोला शंकर व्यास, चौ0 विद्या भवन, वाराणसी।
III. भाषा विज्ञान की भूमिका– देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन
IV. भाषा विज्ञान और भाषा शास्त्र– डॉ0 कपिल देव द्विवेदी, वि0 विद्या0 प्रकाशन वाराणसी
V. सामान्य भाषा विज्ञान– डॉ0 बाबूराम सक्सेना हिन्दी साहित्य सम्मेलन इलाहाबाद
VI. संस्कृत भाषा विज्ञान– डॉ0 राजकिशोर सिंह, विनोद पुस्तक अभिलेख
VII. संस्कृत भाषा विज्ञानम् – श्रीरामधीन चतुर्वेदी चौखाम्बा विद्याभवन– वाराणसी
VIII. लघु सिद्धान्त कौमुदी– महेश सिंह कुशवाहा – भाग 1 एवं 2

प्रश्न चयन विधि–

1. उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यक्रम से कुल 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टब्य होंगे। 1x15= 15
2. इकाई 1 से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न प्रष्टाय होंगे किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 1x20 = 20
3. इकाई 2 से दो दीर्घ उत्तरीय या आलोचना (एक प्रश्न प्रष्टय होंगे। किसी एक प्रश्न का उत्तर देय होगा। 1x20 = 20
4. इकाई उसे दो लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे कुल 4 प्रश्न प्रष्टब्य होंगे। 2x10 = 20

SEM- VI

MAJOR COURSE MJ - 13

भारतीय नास्तिक दर्शन का सामान्य परिचय

Marks : 25 (5 + Attd + 20 SIE 1Hrs) + 75 (ESE 3Hrs) = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C-04

नास्तिक दर्शन (तत्वमीमांसा ज्ञानमीमांसा एवं प्रमाण मीमांसा)

- चार्वाक दर्शन
- जैन दर्शन
- बौद्ध दर्शन

अनुशंसित पुस्तकें:–

1) भारतीय दर्शन – बलदेव उपाध्याय
2) भारतीय दर्शन – एम0 हिरियन्ना
3) भारतीय दर्शन – उमेश मिश्रा
4) भारतीय दर्शन – जगदीश चन्द्र मिश्र

प्रश्च चयन संबंधी निर्देश:–

सभी प्रश्नों के उत्तर दें–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या रिक्त स्थानों की पूर्ती संबंधित 15 प्रश्न पूछे जायेगे। 1x5 = 15

द्वितीय प्रश्न में चार्वाक दर्शन से संबंध दो लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। कुल चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में जैन धर्मन से संबंध दो प्रश्नों के उत्तर लेखन होंगे जिनमें 4 प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x10 =20

चौथे प्रश्न में बौद्ध दर्शन से संबंधित दो प्रश्न करना अनिवार्य होगा कुल 4 प्रश्न पूछे जायेंगे। 2x10 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

Sem- VI

Major Course- MJ 14

वैदिक सूक्त, निरूक्त एवं पाणिनीय शिक्षा

Marks: 25 (5Attd + 20 SIE 1Hr) + 75 (ESE + 3Hrs) =100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C-04

वेद एवं वैदिक साहित्य

इकाई 1 वैदिक सूक्त

इन्दु (1.32) सूर्य (1.125) पुरूष (10.90) ज्ञान (10.71) अग्नि (1.14) पर्जन्य (5.83) नासदीय (10.129)

इकाई – 2 निरूक्त

निघण्टु और निरूक्त, निरूक्त के अध्ययन के उद्देश्य निरूक्त की विषय वस्तु, पदों का चतुर्विध विभाजन, किया के छः रूप षडमावविकार निर्वचन के सिद्धांत, निघण्टु और निरूक्त के व्याख्याकार, निरूक्त और व्याकरण, निरूक्त और भाषा विज्ञान, निरूक्त कालीन भारतवर्ष (आश्रम व्यवस्था) समाज, शिक्षा, कला आधार) निरूक्त में निरूपित देवत्व।

निम्नलिखित शब्दों की व्युत्पत्तियाँ

आचार्य, वीर, हृद, गो, समुद्र वृत्र, आदित्य, उषस, मेघ, वाफ्, उदक नदी, अश्व, अग्नि, जातिवेदस, वैश्वानर, निघण्टु

इकाई 3

पाणिनीय शिक्षा

अनुसंसित पुस्तके

1) न्यू वैदिक सेलेक्शन, मोतीलाल बनारसीदास
2) वैदिक साहित्य का इतिहास–पारसनाथ द्विवेदी चौरखम्बा सुरभारती वाराणसी
3) ऋग्वेद– गोपाल प्रसाद
4) वैदिक सूक्त संग्रह– अयोध्या प्रसाद सिंह
5) निरूक्तम्– डॉ0 उमाशंकर ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
6) व्युत्पत्ति विज्ञान और आचार्य यास्क – डॉ0 रामाशीष पाण्डेय प्रबोध संस्कृत प्रकाशन, रांची।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

प्रथम प्रश्न में

उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यक्रम से पन्द्रह (15) वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।

दूसरे प्रश्न में इकाई 1 से एक मन्त्र को संस्कृत व्याख्या और एक मन्त्र का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा कुल 2+2 = 4 प्रश्न पूछे जायेंगे। 10x2=20

तीसरे प्रश्न में इकाई 2 से दो प्रश्न अपेक्षित होगा। कुल चार प्रश्न पूछे जायेंगे 10x2 =20

चौथे प्रश्न में इकाई 3 से दो प्रश्न करना अपेक्षित होगा। जिसमें चार प्रश्न पूछे जायेंगे।

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEM VI

MJ - 15

इकाई –I, तर्कसंग्रह, पदार्थ विवेचन, नौद्रव्या, प्रमाणविवेचन।

ईकाई - II, भारतीय दर्शन

भारतीय दर्शन की विशेष षडदर्शनों के प्रमुख सिद्धांतों का विशिष्ट अध्ययन।

अनुशंसित पुस्तकें:–

1) तर्कसंग्रह – व्याख्याकरण का शेपराज शर्मा रेगमी
2) भारतीय दर्शन, डॉ0 बलदेव उपाध्याय।
3) भारतीय दर्शन डॉ0 सी0डी0 शर्मा, प्रश्नचयन निर्देश।

प्रश्नयचन निर्देश:–

1) उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यक्रम से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 15x1=15
2) ईकाई- I किन्ही दो अंशो की व्याख्या प्रष्टव्य होगी। 2x10=20
3) ईकाई- I से दो लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे। 2x10=20
4) ईकाई से दो आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। किन्ही एक का उत्तर अपेक्षित होगा। 1x20= 20

आन्तरिक मूल्यांकन - 20+5 =25 अंक

SEM VII AMJ - 1

MAJOR COURSE AMJ - 1

काव्य शास्त्र एवं छन्दशास्त्र

Marks = 25 (5Attd + 20 SIE 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C- 04

साहित्यशास्त्र

इकाई 1 – काव्य प्रयोजन काव्यहेतु शब्द शक्ति काव्य लक्षण, काव्य भेद, काव्य गुण, रीति (काव्यदीपिका के अनुसार)

इकाई 2–

अलंकार – अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, उत्प्रेक्षा, दृष्टान्त रूपक, वकोक्ति, समासोक्ति, अर्थान्तर न्यास, विभावना विशेषोक्ति, स्वाभावोक्ति, निदर्शना, (काव्यदीपिका के अनुसार)

इकाई –3

छन्द – आर्या, अनुष्टुपं, इन्द्रवजा, द्रुतविलम्बित, वसन्त तिलका, उपजाति, वंशस्थ, शार्दूलविकीडित स्रन्धरा, मन्दाकान्ता, भुजङ्गप्रयात्।

अनुशंसित पुस्तकें–

1) काव्यदीपिका – परमेश्वरानन्द शर्मा, मोतीलाल बनारसी दास,
2) छन्दश्रुतबोध– श्री धरानन्द शास्त्री।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

सभी प्रश्नों के उत्तर दें–

प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित 15 वस्तुनिष्ठ तथा (रिक्त पदों की पूर्ती संबंधी प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15= 15

द्वितीय प्रश्न में इकाई 1 से एक प्रश्न करने होंगे जिनमें दो प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x20= 20

तृतीय प्रश्न में चार अलंकार की सदोहरण व्याख्या करनी होगी कुल छः अलंकार पूछे जायेंगे। 4x5= 20

चतुर्थ प्रश्न में चार छन्दों की सदोहारण व्याख्या करनी होगी जिनमें 6 छन्द पूछे जायेंगे। 4x5= 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEM VII AMJ -2

ADVANCE MAJOR COURSE - AMJ 2

महाकाव्य

Marks: 25 (5 Attol + 20 SIE: 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) =100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C- 04

महाकाब्य

इकाई– 1 • महाकाब्य का उद्भव एवं विकास

इकाई 2 • नैषधीय चरितम् (द्वितीय सर्ग)

• शिशुपालबधम् (प्रथम सर्ग)

अनुशंसित पुस्तकें

1) नैषधीयचरितम् – मोहनदेव पंत मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली
2) नैषधीय चरितम् – सुरेन्द्रदेव शास्त्री गोकुलदास संस्कृत ग्रन्थमाला वाराणसी
3) सौन्दरानन्द काव्य – सूर्यनारायण चौधरी
4) शिशुपालबधम – (प्रथम सर्ग) आचार्य कृष्णकुमार अवस्थी प्रकाशन केन्द्र लखनऊ
5) संस्कृत साहित्य का इतिहास– डॉ0 बलदेव उपाध्याय।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त पाठयांश से कुल 15 प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। 1x15 = 15 द्वितीय प्रश्न में इकाई 2 से नैषधीयचरितम् से कुल श्लोक प्रष्ट्ब्य होंगे जिसमें किसी एक की संस्कृत व्याख्या तथा किसी एक श्लोक की हिन्दी व्याख्या अपेक्षित होगी।

2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में इकाई – 2 शिषुपाल बध किन्ही दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। श्लोक प्रष्ट्ब्य होंगे।

चतुर्थ प्रश्न में इकाई –1 से दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न प्रष्टव्य होंगे जिनमें एक प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। 20x1 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEM VII

MAJOR COURSE - AMJ -3

वेदान्तसार एवं तर्कभाषा

Marks : 25 (5 Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C- 04

इकाई – 1 वेदान्तसार अनुबन्ध चतुष्टय, साधन चतुष्टय, अध्यारोप और अज्ञान का निरूपण, सृष्टि निरूपण, लिंग शरीर पंचीकरण, स्थूल प्रपड्च, वेदान्त दृष्टि में आत्मस्वरूप, अपवाद निरूपण अध्यारोप और अपवाद के द्वारा तत्वमसि महावाक्य का विश्लेषण, अहं ब्रह्मास्मि इस महावाक्य के अर्थ का विश्लेषण समाधि जीवन्मुक्त का लक्षण।

इकाई – 2– तर्कभाषा कारणलक्षण, कारण निरूपण, कारण के भेद प्रमाण पदार्थ, प्रभालक्षण प्रत्यक्ष प्रमाण (सविकल्पक) ज्ञान और निर्विकल्पक ज्ञान, षडसन्निकर्ष) अनुमान प्रमाण (निरूपण, अनुमान प्रमाण के भेद, हेतु की पड्चरूपोपपन्नता, हेत्वामास) उपमान प्रमाण शब्द प्रमाण।

अनुशंसित पुस्तके–

1) केशवमिश्र कृत तर्कभाषा आचार्य विश्वेश्वर सिद्धान्त भिरोमणि चौखम्बा संस्कृत आफिस वाराणसी
2) केशवमित्र कृत तर्कभाषा – आचार्य बदरीनाथ शुक्ल मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली
3) सदानन्द कृत वेदान्तसार– आचार्य बदरीनाथ शुक्ल– मोतीलाल बनारसी दास दिल्ली।
4) सदानन्द कृत वेदान्तसार – आचार्य राममूर्ती शर्मा – ईस्टर्न बुक लिंकर्स दिल्ली।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम प्रश्न में पूरे पाठ्यांश से 15 (पन्द्रह) वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे।

द्वितीय प्रश्न में इकाई 1 से किन्ही दो अंगो की व्याख्या अपेक्षित होगी कुल चार अंश प्रष्टव्य होंगे। 2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में इकाई 2 से दो लघु उत्तरीय प्रश्न का उत्तर देय होगा। कुल चार प्रश्न प्रत्व्य होंगे। 2x10 = 20

चतुर्थ प्रश्न का उत्तर देय होगा कुल दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x20 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEM VII

MAJOR COURSE - AMJ- 4

वैदिक साहित्य का इतिहास एवं वैदिक सूक्त

Marks: 25 (5 Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C- 04

वैदिक साहित्य–

इकाई– 1 •वेदो का सामान्य परिचय, वेदों का काल

- ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद का सामान्य परिचय
- वेदांगो का परिचय।

इकाई 2 • वैदिक सूक्त– ऋग्वेद– अग्नि (1.1) इन्दु (2.12) उषस् (3.61) हिरण्यगर्भ (10.121) सवितृ (1.35) वाक् (10.125)

- शुक्ल यजुर्वेद– शिवसंकल्प (34.1–6)

अनुशंसित पुस्तके

1) न्यू वैदिक सेलेक्शन– मोतीलाल बनारसीदास
2) वैदिक साहित्य का इतिहास–पारसनाथ द्विवेदी चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
3) ऋग्वेद– गोपाल प्रसाद
4) निबंध शतकम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन
5) अनुवाद चन्द्रिका– डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
6) निबन्ध कुसमांजलि – जयन्त मिश्र
7) वैदिक सूक्त संग्रह – अयोध्या प्रसाद सिंह

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश

सभी प्रश्नों के उत्तर दे–

प्रथम प्रश्न में संपूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित वस्तुनिष्ठ या रिक्त स्थान पूर्ती संबंधी 15 प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x15= 15

द्वितीय प्रश्न में इकाई 1 से टिप्पणी अपेक्षित होगी कुल 4 टिप्पणी दिये जायेंगे।

2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में इकाई 2 से एक मन्त्र की संस्कृत व्याख्या और एक मन्त्र का हिन्दी अनुवाद करना अपेक्षित होगा। कुल 2 +2 = 4 मन्त्र पूछे जायेंगे। 2x10 = 20

चतुर्थ प्रश्न में पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित तीन आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे जिनसे एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य होगा। 1x20 = 20

खण्ड – ख

आन्तरिक मूल्यांकन – 20 + 5 = 25 अंक

SEMESTER VIII AMJ 05

MAJOR COURSES AMJ- 05

महाभाष्य एवं वैदिकी प्रक्रिया

Marks : 25(5Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (SIIE + ESE) = 40

C- 04

इकाई– 1 • महाभाष्य (पश्पशान्हिक) व्याकरण के प्रयोजन तक

इकाई 2 • वैदिक प्रक्रिया (प्रथम अध्याय)

• वैदिक प्रक्रिया (द्वितीय अध्याय)

अनुशंसित पुस्तकें

1) व्याकरण महाभाष्य – डॉ0 चारूदेव शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, मधुसुदन मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन
2) वैदिकी प्रक्रिया– उमाशंकर शर्मा, ऋषि, चौखम्बा विद्याभवन वराणसी।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देय होंगे।

1x15=15

द्वितीय प्रश्न में महाभाष्य से दो अंशो की व्याख्यायें अपेक्षित होगी कुल चार अंश प्रष्टव्य होंगे।

2x10 = 20

तृतीय प्रश्न में इकाई दो से किन्ही चार सूत्रों की व्याख्यायें अपेक्षित होंगी कुल छः सूत्र प्रष्टव्य होंगे। 4x5= 20

चतुर्थ प्रश्न में उपर्युक्त दोनों पाठ्य पुस्तकों से कुल दो दीर्घ उत्तरीय प्रश्न पृष्टव्य होंगे जिनमें एक का उत्तर अपेक्षित होगी। 1x20 = 20

SEM - V

MINOR COURSE - MN- IC

पद्य साहित्य

Marks : 25 (5Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks : th (SIE + ESE) = 40

C = 04

इकाई सं0 1 • पद्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

- पूर्व मेघदूतम (1 से 25 श्लोक)
- किरातार्जुनीयम (प्रथम सर्ग)(1 से 25 श्लोक)
- शिशुपाल बद्य (प्रथम सर्ग) (1 से 25 श्लोक)

अनुशंसित पुस्तकेः

1) पूर्वमेघदूतम् – शेषराज रेग्मी चौखम्बा विद्याभवन
2) संस्कृत साहित्य का इतिहास– आचार्य बलदेव उपाध्याय।
3) किरातार्जुनीयम– अखिलेश पाठक
4) शिशुपालबधम्– आचार्य कृष्ण कुमार अवस्थी।

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम पश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से 5 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे। 1x5=5

द्वितीय प्रश्न में इकाई दो से दो श्लोकों का संस्कृत व्याख्या अपेक्षित होगा जिसमें चार श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20

तृतीय प्रश्न में दो श्लोकों का अनुवाद अपेक्षित होगा। जिसमें कुल चार श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10=20

चतुर्थ प्रश्न में दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होगा जिसमें चार प्रश्न पूछे जायेंगे। 7.5x2=15

पंचम प्रश्न में एक दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर अपेक्षित होगा। जिसमें दो प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 1x15= 15

SEM VII

MINOR COURSE - 1D

नाट्य साहित्य

Marks: 25(5Attd + 20 SIE : 1Hr) + 75 (ESE : 3Hrs) = 100

Pass Marks: th (SIE + ESE) = 40

C: th - 04

इकाई संख्या– 1 • नाट्य साहित्य का उद्भव एवं विकास

- अभिज्ञानशकुन्तलम (चतुर्थ अंक)
- उत्तररामचरितम् (तुतीय अंक)

अनुशंसित पुस्तकें–

1) संस्कृत साहित्य का इतिहास – आचार्य बलदेव उपाध्याय
2) संस्कृत साहित्य का इतिहास – वाचस्पति गैरोला
3) अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
4) उत्तररामचरितम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी

प्रश्न चयन संबंधी निर्देश–

प्रथम प्रश्न में उपर्युक्त पाठ्यांश से 15 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर देय होंगे। 1x15 = 15

द्वितीय प्ररून में इकाई दो से अभिज्ञानशाकुन्तल से दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल चार श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x10= 20

तृतीय प्रश्न में उत्तररामचरितम् से कुल चार श्लोक प्रष्टव्य होंगे जिसमें एक की संस्कृत व्याख्या तथा एक श्लोक का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। 2x10= 20

चतुर्थ प्रश्न में इकाई 1 से दो आलोचनात्मक प्रश्न प्रष्टव्य होगा जिसमें एक का उत्तर देय होगा। 1x20 = 20

SEM - 1

MDC (MULTIDISCIPLINARY COURSE_ - OC - 03

Full Marks - 75 **Pass Marks -30**

No Internal Examination

इकाई 1 अभिज्ञानशाकुन्तलम् 1 से चतुर्थ अंक तक।

अनुशंसित पुस्तकें–

1) अभिज्ञानशकुन्तलम् – डॉ0 कपिलदेव द्विवेदी
2) अभिज्ञानशाकुन्तलम् – डॉ0 सुरेन्द्र शास्त्री राम नारायण बालबेनी प्रसाद इलाहाबाद

प्रश्न चयन विधि–

1) उपर्युक्त संपूर्ण पाठ्यक्रम से कुल 15 प्रश्न प्रष्टव्य होंगे। 15x1 = 15
2) प्रश्न संख्या 2 से किन्ही दो श्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा। कुल 4 श्लोक प्रष्टव्य होंगे। 2x20 = 20
3) किन्ही श्लोक का संस्कृत में अनुवाद करने होंगे जिसमें दो श्लोक पूछे जायेंगे। 1x10 = 10
4) दो आलोचनात्मक प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित होंगे कुल 21 प्रश्न पूछे जायेंगे। 15x2 = 30